RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –I GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - **ECONOMICS**

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. सरकार के लिए सबसे अधिक आय सृजित करने वाले शीर्ष तीन करों (Taxes) **के नाम लिखिए ?**

i. वस्तु एवं सेवाकर
ii. निगम कर
iii. आय कर

2. प्रभावी राजस्व घाटे (Effective Revenue Deficit) **से क्या अभिप्राय हैं ?**

उत्तरः– 2011–12 से प्रारंभ अवधारणा जिसके तहत सरकार की वास्तविक वित्तीय स्थिति को ज्ञात करने के उद्देश्य से राजस्व घाटे में से केन्द्र द्वारा राज्यों को दी गई योजनागत सहायता को घटा दिया जाता हैं।

3. क्राउडिंग आउट से क्या आशय हैं ?

उत्तरः– क्राउडिंग आउट से तात्पर्य संसाधनों के सार्वजनिक क्षेत्र में लगाने से है, जिससे सार्वजनिकरण को प्रोत्साहन मिले व निजी क्षेत्र के एकाधिकार को रोका जा सके।

4. हाल ही मे प्रचलित शब्द क्रोनी केपिटलिज्म (सहचर पूंजीवाद) का क्या अर्थ हैं ?

उत्तरः– सरकारी तंत्र द्वारा उद्योगपतियों को कानूनी स्वीकृति में पक्ष लेकर, उन्हें सरकारी अनुदान व कर संबंधी सहूलियतें व अन्य आर्थिक अनियमितताओं के द्वारा लाभ पहुँचाना क्रोनी केपिटलिज्म हैं।

5. उपकर (cess) **व अधिभार** (Surcharge) **में विभेद कीजिए ?**

उपकर	अधिभार
i. कर के साथ अर्थात् कर आधार पर गणना	i. कर के ऊपर अर्थात् कर दायित्व पर गणना
ii. सामान्यतः उद्देश्यपरक	ii. उद्देश्य/बिना उद्देश्य के भी
iii. प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर दोनों के साथ लगाया जाता हैं।	iii. सामान्यतः प्रत्यक्ष कर के साथ लगाया जाता हैं।

6. राजा चलैया समिति की सिफारिशों को संक्षेप में लिखिए ?

i. भारत में कर की दर निर्धारण के लिए लैफर वक्र अपनाया जाना चाहिए। (तर्कसंगत दर हो)।
ii. भारत में वस्तुओं के साथ सेवा पर भी कर लगाना चाहिए (1993–94 से प्रारंभ) ।
iii. भारत में सभी राज्यों को कृषि पर आयकर वसूल करना चाहिए।
iv. सभी कर दाताओं को पेनकार्ड व TIN जारी किये जाये।
v. करों में E-गवर्नेन्स लागू किया जाये।

7. जी.एस.टी. ई-वे बिल की अवधारणा को समझाइयें ?

उत्तरः– ई-वे बिल एक इलेक्ट्रोनिक दस्तावेज है जो माल की आवाजाही का विवरण प्रस्तुत करता है। यह 50,000 रूपये से अधिक मूल्य की वस्तुओं को 10 किमी. से अधिक दूरी पर बिक्री के लिए जाने हेतु अनिवार्य हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कर वंचना रोकने के साथ-साथ वस्तुओं के आवागमन को अवरोध मुक्त बनाना है। इसकी वैधता अवधि दूरी पर निर्भर (100किमी. के लिए 1 दिन) हैं। इसे व्यापारी इंटरनेट अथवा एस.एम.एस. से स्वयं जारी कर सकते हैं। इस बिल की स्वीकार्य अवधि 72 घण्टे व निरस्त करने की अवधि 24 घण्टे हैं। इसका एक बार सत्यापन हो जाने पर बार-बार जाँच नहीं होगी व साथ सलंग्न QR कोड के द्वारा वाहनों को ट्रेक किया जा सकता हैं।

8. "भारतीय कर प्रणाली : प्रगतिशीलता की ओर" टिप्पणी कीजिए।

उत्तरः- प्रत्यक्ष कर संहिता, मूल्य संबर्धित कर एवं काले धन पर किये जा रहे विभिन्न नियंत्रण उपायों के कारण भारत का टैक्स-जी.डी.पी. अनुपात निरन्तर वृद्धिशील है, जो कि भारतीय कर प्रणाली की प्रगतिशीलता का सूचक हैं।

भारत की कर प्रणाली का दूसरा पक्ष प्रगतिशीलता से वर्तमान में वंचित इस रूप में था कि अप्रत्यक्ष कर उच्च आय वर्ग की तुलना में निम्न आय वर्ग पर अधिक बोझ (आय की तुलना में) डालता था । इसे प्रतिगामी कर ढांचा माना जाता हैं, क्योंकि एक ही वस्तु के उपयोग हेतु गरीब व अमीर व्यक्ति को समान कर चुकाना पड़ता है। हालांकि प्रत्यक्ष कर प्रगतिशील प्रकृति के है क्योंकि अधिक आय होने पर कर की औसत दर भी बढ़ती है, किन्तु कुल करों में अप्रत्यक्ष करों का भाग लगभग 50 प्रतिशत हैं। इस अर्थ में भारतीय कर ढांचे को प्रगतिशील बनाने हेतु जी.एस.टी. लागू किया गया। जी.एस.टी के लागू होने से सामान्य उपयोग की वस्तुएँ निम्नतम कर श्रेणी में होने से कम दरों पर देश में सभी स्थानों पर उपलब्ध हुई व विलासितापूर्ण वस्तुएँ उच्च कर श्रेणी में होने से उच्च कर दरों पर उपलब्ध हुई। इस प्रकार से जी.एस.टी. भारतीय कर प्रणाली को प्रगतिशीलता की ओर अग्रसर करती है किन्तु इसी के साथ प्रत्यक्ष करों में भी सुधार की आवश्यकता हैं।

भारतीय कर व्यवस्था में पारदर्शिता लाने, तर्क-संगतता में वृद्धि करने व स्वैच्छिक अनुपालना को प्रोत्साहित करने हेतू प्रयास जारी है, साथ ही अधिक से अधिक लोगों को कर के दायरे में लाकर कर प्रणाली को कुशल बनाने हेतु नीति निर्माता प्रयत्नशील हैं।

सारथि एकेडमी